भा.कृ.अनु.प.-केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, मुंबई
ICAR-Central Institute of Fisheries Education
(University Under Section 3 Of The UGC Act, 1956)

भा.कृ.अनु.प.-केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, मुंबई में 79वाँ स्वतंत्रता दिवस मनाया गया।

भा.कृ.अनु.प.-केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, मुंबई ने देश का 79वाँ स्वतंत्रता दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया। संस्थान के निदेशक एवं कुलपति डॉ. एन.पी. साहू ने झण्डारोहण किया और सभा को संबोधित किया। समारोह में प्रभागाध्यक्ष, प्रशासन एवं वित्त अनुभागों के अधिकारी, वैज्ञानिक, कर्मचारी और छात्र उपस्थित थे। उन सभी महान स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को याद करते हुए, डॉ. एन.पी. साहू ने पिछले सात दशकों में कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी ढाँचे के क्षेत्र में भारत द्वारा की गई प्रगति पर प्रकाश डाला। कृषि के संदर्भ में, बढ़ती जनसंख्या के मद्देनजर पौष्टिक भोजन की उपलब्धता भविष्य में एक चुनौती होगी। मत्स्य पालन क्षेत्र पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। मत्स्य पालन के क्षेत्र में एक शैक्षणिक संस्थान के रूप में, मत्स्य पालन में भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए कुशल मानव संसाधन तैयार करने में हमारी भूमिका और भी महत्वपूर्ण है। मत्स्य पालन क्षेत्र भारत की विकास योजना का एक अभिन्न अंग है, क्योंकि इस क्षेत्र में तेजी से विकास करने और रोजगार एवं आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने की क्षमता है। संस्थान भारत में मत्स्य पालन शिक्षा को आकार देने, मत्स्य पालन में मानव संसाधन विकास, प्रौद्योगिकी विकास और प्रसार में सहायक रहा है। पिछले वर्ष, संस्थान ने "शैक्षणिक उत्कृष्टता और छात्र उद्यमिता" की अवधारणा शुरू की, जिसका उद्देश्य छात्रों के शोध को क्षेत्र-विशिष्ट प्रौद्योगिकियों के विकास में आकार देना था। डॉ. साहू ने आश्वासन दिया कि संस्थान हमेशा की तरह छात्रों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए काम करता रहेगा और उन्होंने संस्थान को गहन शिक्षा और नवाचारों का केंद्र बनाने के लिए संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और छात्रों की सराहना की।

इस अवसर पर, संस्थान के कर्मचारियों, छात्रों और परिवार के सदस्यों द्वारा एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया।

भा.कृ.अनु.प.-केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, मुंबई
ICAR-Central Institute of Fisheries Education
(University Under Section 3 Of The UGC Act, 1956)

आईसीएआर–केंद्रीय मत्स्य शिक्षा संस्थान (सीआईएफई), कोलकाता केंद्र

आईसीएआर–केंद्रीय मत्स्य शिक्षा संस्थान (सीआईएफई), कोलकाता केंद्र ने **भारत के 79वें स्वतंत्रता दिवस** का आयोजन अपार उत्साह, गहरी देशभक्ति और राष्ट्रीय गौरव की सामूहिक भावना के साथ किया। यह उत्सव मात्र एक औपचारिक आयोजन न होकर भारत की अद्भुत स्वतंत्रता यात्रा, उसके संघर्ष, दृढ़ता और प्रगति की याद दिलाने वाला अवसर था, जिसमें विज्ञान और नवाचार की भूमिका ने राष्ट्र निर्माण को नई दिशा दी है। कार्यक्रम का शुभारंभ **सुबह 8:50 बजे** मुख्य अतिथि **डॉ. दिलीप कुमार**, पूर्व निदेशक, आईसीएआर–सीआईएफई, मुंबई के आगमन से हुआ। डॉ. कुमार ने गरिमापूर्ण ढंग से **राष्ट्रीय ध्वज** फहराया–जो भारत की संप्रभुता और सामूहिक आकांक्षाओं का प्रतीक है–इसके बाद सभी ने **राष्ट्रीय गान** गाया। **डॉ. टी. के. घोषाल**, प्रमुख, आईसीएआर–सीआईएफई, कोलकाता केंद्र ने सभा को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं। अपने वक्तव्य में डॉ. घोषाल ने **संस्थान की हाल की उपलब्धियों**—अनुसंधान, प्रशिक्षण और विस्तार कार्यों–के साथ-साथ **राष्ट्रीय प्राथमिकताओं और आत्मनिर्भर भारत** की दृष्टि से चल रही पहलों का उल्लेख किया। इस ऐतिहासिक दिवस के प्रमुख क्षणों–ध्वजारोहण से लेकर आपसी शुभकामना आदान-प्रदान तक–को दर्शाने वाले **स्मरणीय छायाचित्रों का संकलन** संलग्न है, जो इस अवसर को दृश्य रूप में अमर करता है और संस्थान की देशभक्ति एवं उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

79वाँ स्वतंत्रता दिवस समारोह – फ्रेशवाटर फिश फार्म, बलभद्रपुरम्, आईसीएआर-सीआईएफई, काकीनाड़ा केंद्र

फ्रेशवाटर फिश फार्म, बलभद्रपुरम्, आईसीएआर-सीआईएफई काकीनाड़ा केंद्र में 15 अगस्त 2025 को 79वाँ स्वतंत्रता दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। प्रातः 9:00 बजे ध्वजारोहण समारोह आयोजित किया गया, जिसमें वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रभारी डॉ. शमना एन. द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। वैज्ञानिक श्रीमती शोभा रावत तथा टी-1 श्री राजीव द्वारा फार्म के सभी कर्मचारियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएँ दी गईं। कार्यक्रम के अंतर्गत, 14 अगस्त 2025 को मंडल परिषद प्राथमिक विद्यालय, बिक्कवोलु के निचली कक्षा के छात्रों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई। लगभग 105 बच्चों द्वारा भाग लेकर अपनी रचनात्मकता और देशभक्ति की भावना प्रदर्शित की गई। विजेताओं को 15 अगस्त 2025 को पुरस्कृत कर उनके प्रयासों को प्रोत्साहित किया गया। स्वतंत्रता दिवस समारोह का समापन मत्स्य क्षेत्र के विकास और राष्ट्र की आर्थिक प्रगति में योगदान देने के लिए सामूहिक संकल्प के साथ किया गया।

भा.कृ.अनु.प.-केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, मुंबई
ICAR-Central Institute of Fisheries Education
(University Under Section 3 Of The UGC Act, 1956)

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद - केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान , पवारखेड़ा

केंद्र में **15** अगस्त **2025** को बड़े ही **देशभक्ति भावना** और **उत्साह** के साथ मनाया केंद्र को तिरंगे रंग की सजावट, झंडों और बैनरों से सजाया गया था, जिससे पूरे वातावरण में **राष्ट्रीय गर्व और एकता** की भावना व्याप्त हो गई थी। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह **9:10 बजे** सभी कर्मचारियों के कार्यक्रम स्थल पर एकत्र होने के साथ हुई। **प्रभारी अधिकारी डॉ. शशि भूषण** ने **राष्ट्रीय ध्वज फहराया**, जिसके बाद **राष्ट्रगान** गाया गया। सभी ने वीर स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को श्रद्धांजलि देने हेतु मौन खड़े होकर **गंभीर श्रद्धा** के साथ राष्ट्रगान में भाग लिया। प्रभारी अधिकारी ने एक **प्रेरणादायक भाषण** दिया, जिसमें उन्होंने **स्वतंत्रता के बाद भारत की यात्रा**, संविधान में निहित मूल्यों, और **राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका** पर प्रकाश डाला। उन्होंने **नवाचार, स्थिरता** और **शिक्षा** को आत्मनिर्भर भारत की नींव बताया। कार्यक्रम के दौरान **विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ** आयोजित की गईं। इन प्रस्तुतियों ने **विविधता में एकता** की भावना को दर्शाया और राष्ट्र के महानायकों की विरासत को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। **पवारखेड़ा केंद्र पर स्वतंत्रता दिवस का यह 79वां आयोजन** न केवल अतीत के बलिदानों को याद करने का अवसर था, बल्कि यह **वर्तमान पीढ़ी को राष्ट्र की प्रगति में सक्रिय योगदान देने की प्रेरणा** भी प्रदान करता है।

आईसीएआर-सीआईएफई, आरआरटीसी मोतीपुर

आईसीएआर-सीआईएफई, आरआरटीसी, मोतीपुर ने भारत का 79वां स्वतंत्रता दिवस मनाया। इस शुभ अवसर पर केंद्र को फूलों और रंगों से सजाया गया था। सुबह 9:00 बजे सम्मानित प्रभारी अधिकारी एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. एमडी अकलाकुर ने ध्वजारोहण किया। सम्मानित प्रभारी अधिकारी ने देश के सकल घरेलू उत्पाद और ग्रामीण आजीविका को बढ़ावा देने में मत्स्य पालन क्षेत्र के विकास और भूमिका पर केंद्रित एक प्रेरक भाषण दिया। इस अवसर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया।

भा.कृ.अनु.प.-केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, मुंबई
ICAR-Central Institute of Fisheries Education
(University Under Section 3 Of The UGC Act, 1956)

आईसीएआर-सीआईएफई, रोहतक

आईसीएआर-सीआईएफई, रोहतक क्षेत्रीय केंद्र में 79वां स्वतंत्रता दिवस बड़े उत्साह, धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रभारी अधिकारी डॉ. मुजाहिदखान ए. पठान ने सुबह 9:15 बजे राष्ट्रीय ध्वज फहराया। वैज्ञानिकों, तकनीकी अधिकारियों, प्रशासनिक कर्मचारियों, छात्रों, शोधार्थियों और संविदा कर्मचारियों सहित केंद्र के सभी आधिकारिक कर्मचारियों ने समारोह में भाग लिया और कार्यक्रम एक शानदार सफलता रहा। विभिन्न कार्यक्रम भी आयोजित किए गए और पुरस्कार वितरित किए गए।

ICAR-CIFE, Kakinada Centre

15 अगस्त 2025 को आईसीएआर–सीआईएफई, काकीनाडा केंद्र में 79वां स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। डॉ. कार्तिरेड्डी स्यामाला, वरिष्ठ वैज्ञानिक और प्रभारी अधिकारी, भाकृअनुप–सीआईएफई, काकीनाडा केंद्र द्वारा औपचारिक ध्वजारोहण किया गया, जिसके बाद राष्ट्रगान का गायन किया गया। अपने संबोधन में, डॉ. के. श्यामला ने स्वतंत्रता के वास्तविक सार के बारे में बात की, सभी को याद दिलाया कि स्वतंत्रता न केवल विरासत में मिली विरासत है, बल्कि भविष्य की पीढ़ियों के लिए सुरक्षा की जिम्मेदारी भी है। उन्होंने राष्ट्रीय एकता, सामाजिक सद्भाव और निस्वार्थ सेवा के महत्व पर प्रकाश डाला, सभी से अपने ज्ञान, कौशल और एक मजबूत, अधिक समृद्ध भारत के निर्माण की दिशा में प्रयासों में योगदान देने का आग्रह किया। कार्यक्रम में स्टाफ सदस्यों और छात्रों की उत्साहपूर्ण भागीदारी भी शामिल थी, जिन्होंने स्वतंत्रता दिवस के महत्व पर प्रेरक भाषण और प्रतिबिंब दिए, जो अपनी ऐतिहासिक विरासत को आत्मनिर्भर और प्रगतिशील भारत की आकांक्षाओं से जोड़ते हैं।